Dainik Gagran
23-5-2021

अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस | दून के विभिन्न संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस पर किया गया चिंतन

जैवविविधता की हानि अब चेतावनी के स्तर पर

जागरण संवाददाता, देहरादून: दून में अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस पर प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव पर चिंतन किया गया। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) में आयोजित वेबिनार में विशेषज्ञों ने कहा कि जैवविविधता के संरक्षण के लिए प्राकृतिक संसाधनों के दोहन व संरक्षण के बीच सामंजस्य बनाना होगा।

शनिवार को वेबिनार का उद्घाटन करते हुए एफआरआइ के निदेशक एएस रावत ने कहा कि जैवविविधता की हानि अब चेतावनी के स्तर पर पहुंच चुकी है। बढ़ती जनसंख्या के बीच संसाधन जुटाने के लिए प्राकृतिक संपत्तियों का अनियंत्रित दोहन किया जा रहा है। मानव व वन्यजीव संघर्ष बढ़ने लगा है। यदि हमें अपना भविष्य सुरक्षित रखना है तो जैवविविधता को बचाना जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान कीट-पतंगों की जैवविविधता पर लघु फिल्मों का प्रसारण भी किया गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर 'स्वस्थ मानवता के लिए स्वस्थ वन' विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर वनस्पति प्रभाग के प्रमुख डॉ. अनूप चंद्रा, डॉ. चरण सिंह आदि उपस्थित रहे।

उधर, उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) में स्पेक्स व नासी (उत्तराखंड चैप्टर) के संयुक्त तत्वाधान में जैवविविधता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रख्यात पर्यावरणविद् पद्विभूषण सुंदरलाल बहुगुणा को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते यूकॉस्ट महानिदेशक डॉ. राजेंद्र डोभाल ने पर्यावरणविद् बहुगुणा के जीवन के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय वन्यजीव संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. जीएस रावत ने उत्तराखंड के संदर्भ में जैवविविधता संरक्षण के विज्ञान, नीति व कार्य: आत्मनिरीक्षण एवं संभावना विषय पर व्याख्यान दिया। वहीं, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एएन पुरोहित, गुरुकुल कांगड़ी विवि के पूर्व कुलपति प्रो. डीके माहेश्वरी, स्पेक्स के सचिव डॉ. बृजमोहन शर्मा ने भी विचार रखे।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2021 के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक डॉ. डीपी उनियाल, डॉ. अपर्णा शर्मा, जीएस रौतेला आदि उपस्थित रहे।

इन्हें मिला पुरस्कार (क्रमश: पहला, दूसरा व तीसरा)

- समूह एक: प्रभजोत सिंह, प्रद्युम्न व अनिकेत।
- समूह दो: प्राप्ति सिंह, रिया बिष्ट व अपराजिता।
- समूह तीन: शगुन गोयल, नवीन कुमार, अभिषेक।
- समूह चार: सुनीता, गुंजन कार्की, ईशा चौहान।

वेबिनार

- वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित किया गया वेबिनार
- विशेषज्ञ बोलें, जैवविविधता के संरक्षण को सामंजस्य जरूरी

Garhwal Post
23-5-2021

International Biodiversity Day celebrated at FRI

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 22 May: Forest Research Institute (FRI), Dehradun celebrated International Biodiversity Day-2021 on 22nd May, 2021. On this occasion, a webinar was organized for awareness on Biodiversity and its conservation. The webinar was inaugurated by the Chief Guest, Arun Singh Rawat, IFS, Director General, Indian Council of Forestry Research and Education and Director, FRI, Dehradun. In his inaugural speech, he told that the loss of floral and faunal biodiversity is at an alarming stage and there is a dire need to protect and conserve it today. He said that due to disturbance of the floral biodiversity by mankind and increasing human population, there is conflict between man and animals. He further stated that global warming and climate change is also responsible for deterioration of biodiversity. He said that for establishment of ecological balance, the conservation of biodiversity is compulsory. Deepak Mishra, IFS, Head Extension Division, FRI welcomed the Chief Guest and other participants of the webinar. He also gave emphasis on importance of biodiversity and its conservation.

In the said webinar, a special lecture on "Biodiversity and its conservation" was delivered By Dr. Anup Chandra, Head, Botany Division, FRI, Dehradun. In his lecture, he highlighted the floral biodiversity and its global status and rank of India. He said that due to over exploitation many species of herbs, shrubs and trees are under threat and if this continues their existence in nature would be threatened. He also told about market status in the Indian context and conservation laws of Biodiversity.

Movies on Biodiversity of the FRI campus and insect biodiversity were also screened during the webinar. A virtual prize distribution of the completion conducted under PRAKRATI programme on the theme "Healthy Forests for Healthy Humanity" for Junior and senior group students of Kendiya Vidyalay and Novodaya Vidyala on the occasion of International Day of Forests-2021 was also done and winners were awarded 1st, 2nd, 3rd and consolation prizes respectively.

The programme concluded with vote of thanks by Dr. Charan Singh, Scientist-F, Extension Division.

Hindustan
23-5-2021

एफआरआई में मना जैव विविधता दिवस

देहरादून। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर एफआरआई में वेबिनार आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन आईसीएफआरई के डीजी अरुण सिंह रावत ने किया। उन्होंने कहा कि जैव विविधता की हानि अब मानव जाति के लिए चेतावनी की स्थिति में है और अब इसके संरक्षण की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि जैव विविधता के विनाश के लिए हम मानवों का हस्तक्षेप एवं हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या है। मानव की ओर से प्रकृति से छेड़छाड़ के कारण मानव और वन्यजीवों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। जंगली जानवर उनके प्राकृतिक आवासों के नष्ट होने के कारण मानव बस्तियों की ओर रुख कर रहे हैं। इस स्थिति को रोकने के लिए जैव विविधता का संरक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा वैश्विक ऊष्मीकरण भी जैवविविधता के लिए घातक है। इसे रोकने के लिए भी कुछ उपाय करने होंगे। इस दौरान विस्तार विभाग प्रमुख, डा. अनुप चन्द्रा, डा. चरण सिंह, डा. देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक रामबीर सिंह और रमेश सिंह आदि मौजूद रहे।

The Hawk
23-5-2021

FRI Celebrates International Biodiversity Day

Dehradun (The Hawk): Forest Research Institute (FRI), Dehradun celebrated International Biodiversity Day-2021 on 22nd May, 2021. On this occasion, a webinar was organized for awareness on Biodiversity and its conservation. The webinar was inaugurated by the Chief Guest Shri Arun Singh Rawat, IFS, Director General, Indian Council of Forestry Research and Education and Director, FRI, Dehradun. In his inaugural speech, he told that the loss of floral and faunal biodiversity is at alarming stage and there is a dire need to protect and conserve it today. He said that due to disturbing the floral biodiversity by mankind and increasing human population, there is conflict between man and wild animal is developed. He quoted that global warming and climate change is also responsible for deterioration of biodiversity. He said that for establishment of ecological balance, the conservation of biodiversity is compulsory. Shri Deepak Mishra, IFS, Head Extension Division, FRI welcomed the Chief Guest and other participants of the webinar. He also gave an emphasis on importance of biodiversity and its conservation.

In the said webinar, a special lecture on "Biodiversity and its conservation" was delivered By Dr. Anup Chandra, Head, Botany Division, FRI, Dehradun. In his lecture, he highlighted the floral biodiversity and its global status and rank of India. He said that due to over exploitation of many species of herbs, shrubs and trees are under threat and if continues their existence in nature will be no more in nature. He also told about market status in Indian context. He told about conservation laws of Biodiversity.

Movies on Biodiversity of the FRI campus and insect biodiversity were also showed during the webinar. A virtual prize distribution of the completion conducted under PRAKRATI programme on theme "Healthy Forests for Healthy Humanity"for Junior and senior group students of Kendiya Vidyalay and Novodaya Vidyala on the occasion of International Day of Forests-2021 was also done and winners were awarded with 1st, 2nd, 3rd and consolation prizes respectively.

The programme was concluded with vote of thanks by Dr. Charan Singh, Scientist-F, Extension Division.

Shah Times
23-5-2021

जैव विविधता के संरक्षण की अब अत्यंत जरूरत: डॉ. अरुण

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में विस्तार प्रभाग ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस-2021 का आयोजन किया। इस अवसर पर जैव विविधता और इसकी संरक्षण पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि जैवविविधता की हानि अब मानव जाति के लिए चेता. वनी स्थिति में है और अब इसके संरक्षण की अत्यंत आवश्यकता है।

■ अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर वन अनुसंधान संस्थान में वेबीनार का आयोजन

उन्होंने बताया कि जैव विविधता के विनाश के लिए हम मानवों का हस्तक्षेप एवं हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या है। मानव द्वारा प्रकृति से छेड़छाड़ के कारण मानव और वन्यजीवों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है क्योंकि जंगली जानवर उनके प्राकृतिक आवासों के नष्ट होने के कारण मानव बस्तियों की ओर रुख कर रहे हैं। इस स्थिति को रोकने के लिए जैवविविधता का संरक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा वैश्विक ऊष्मीकरण भी जैवविविधता के लिए घातक है।

इसे रोकेने के लिए भी कुछ उपाय करने होंगे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्री दीपक मिश्रा, प्रमुख, विस्तार प्रभाग ने मुख्य अतिथि और अन्य सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा अपने स्वागत भाषण में जैवविविधता और उसके महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर वनस्पति विज्ञान प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान देहरादून के प्रमुख, डा0 अनुप चन्द्रा द्वारा जैवविविधता और इसके संरक्षण पर व्याख्ययान दिया गया।

उन्होंने बताया कि जैवविविधता का संरक्षण पारिस्थितिकी संतुलन के लिए नितान्त आवश्यक है। उन्होंने भारत में जैवविविधता की स्थिति पर विस्तार से अपने विचार रखे और उसके संरक्षण के बारे में सुझाव दिए। इस अवसर पर वन अनुसंधान संस्थान के परिसर तथा कीट पतंगों की जैवविविधता पर लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया।

लघु फिल्मों के प्रदर्शन के बाद पूर्व में मार्च 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2021 के अवसर पर "स्वथ्य मानवता के लिए स्वस्थ वन" विषय पर केन्द्रीय विद्यालय एवं नवोदय विद्यालय के कनिष्ठ एवं वरिष्ठ समूह के छात्र छात्राओं के लिए आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में डा. चरण सिंह, वैज्ञानिक-एफ, विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। विस्तार प्रभाग से डा. देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक-ई, रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, रमेश सिंह, सहायक एवं यथार्थ दुलगचा, बहुकार्यकर्मी ने सम्पूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सराहनीय योगदान दिया